इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस
डि नोवो श्रेणी के तहत डिम्ड यूनिवर्सिटी
(यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत)

(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का एक स्वायत्त संस्थान)
यादवपुर, कोलकाता 700032

इसके इंटिग्रेटेड बैचलर्स-मास्टर्स प्रोग्राम इन साइंस तथा मास्टर्स / इंटिग्रेटेड मास्टर्स- पीएच.डी प्रोग्राम इन साइंस - 2019 तथा वर्ष 2019 के ऑटम सेमेस्टर में पीएच.डी. प्रोग्राम में प्रवेश

इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस (आईएसीएस) भारत में अपनी तरह का सबसे पुराना विज्ञान अनुसंधान संस्थान है। सन् 1876 में अपनी स्थापना के बाद से, आईएसीएस मौलिक विज्ञान में उच्च स्तरीय अनुसंधान कर रहा है। आईएसीएस भारत का एकमात्र संस्थान है, जिसने भारत से किए गए अपने कार्यों के लिए विज्ञान में एशिया का पहला एवं देश का एकमात्र नोबेल पुरस्कार अर्जित किया है। आईएसीएस को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचना सं. एफ.9-7.2017-यू.3 (ए) दिनांक 26 मई 2018 के अनुसार बेसिक एवं अप्लाइड साइंस में डिग्रियां प्रदान करने के लिए डि नोवो श्रेणी के तहत डिम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा प्रदान किया गया है। आईएसीएस विभिन्न स्कूल जैसे स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेज, स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज, स्कूल ऑफ अप्लाइड एंड इंटरडिसिप्लनरी साइंसेज, स्कूल ऑफ मैटेरियल्स साइंसेज एंड स्कूल ऑफ मैथेमेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल साइंसेज के तहत नियमित पूर्णकालिक पीएच.डी. प्रोग्राम के साथ विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में इंटिग्रेटेड बैचलर्स एवं मास्टर्स प्रोग्राम इन साइंस तथा मास्टर्स/इंटिग्रेटेड मास्टर्स-पीएच.डी. प्रोग्राम परिचालित कर रहा है।

इंटिग्रेटेड बैचलर्स-मास्टर्स प्रोग्राम इन साइंस- 2019 में प्रवेश

आईएसीएस उन उच्च प्रेरित विद्यार्थियों के लिए नये सिरे से पंचवर्षीय इंटिग्रेटेड बैचलर्स-मास्टर्स प्रोग्राम इन साइंस का आयोजन कर रहा है, जिन्होंने विज्ञान के विषयों में (10+2) स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य विज्ञान में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस विशेष प्रोग्राम के माध्यम से, स्नातक शिक्षण को सभी प्रमुख 'स्कूल्स ऑफ साइंस' में आधुनिक अनुसंधान के साथ एकीकृत किया गया है। प्रोग्राम के पहले तीन सेमेस्टर में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथेमैटिक्स, बायोलॉजिकल साइंस एवं कंप्यूटर साइंस में मूलभूत पाठ्यक्रम शामिल होंगे। चौथे सेमेस्टर के बाद से मुख्य रूप से चुने हुए विषयों (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजिकल साइंस, मैथेमैटिक्स एवं कंप्यूटर साइंस) पर ध्यान दिया जाएगा, जो कि योग्यता मानदंडों को पूरा करने का विषय होगा तथा नौवें सेमेस्टर से विद्यार्थियों को सीधे अनुसंधान के लिए अग्रसर किया जाएगा।

आईएसीएस द्वारा आयोजित होनेवाले इंटिग्रेटेड बैचलर्स-मास्टर्स प्रोग्राम इन साइंस - 2019, जिसके 22 जुलाई, 2019 से शुरू होने की संभावना है, में प्रवेश के लिए उज्ज्वल एवं प्रेरित भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इस प्रोग्राम में प्रवेश के लिए आवेदन करते हेतु 10 एवं 10 + 2 दोनों स्तर की परीक्षा में न्यूनतम प्रथम श्रेणी (60% अंक या समकक्ष ग्रेड) के साथ वर्ष 2019 में 10+2 की बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदावर योग्य होंगे (आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 10, 10 + 2 स्तर में 55% अंक या समकक्ष)। जिन उम्मीदवारों ने 10 + 2 की बोर्ड परीक्षा दी हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, लेकिन उनका अंतिम चयन योग्यता परीक्षा में आवश्यक अंकों के प्रतिशत को हासिल करने के अधीन होगा। योग्य आवेदकों को एक यूजी प्री-इंटरव्यू स्क्रीनिंग टेस्ट (यूपीएसटी) में उपस्थित होना होगा। यूपीएसटी-2019 पूरी तरह से कंप्यूटर-आधारित परीक्षा के रूप में 28 जून, 2019 को भारत के विभिन्न शहरों में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथेमैटिक्स एवं कंप्यूटर साइंस या बायोलॉजिकल साइंस में से किसी एक में बहुविकल्प वाले प्रश्नों के आधार होगा। यह यूपीएसटी 10 + 2 के स्तर पर अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के समकक्ष के मानक होगा। इसमें चुने गए उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा, इसके बाद प्रोग्राम के लिए अधिकतम पचास (50) उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा और उसे आईएसीएस की वेबसाइट पर घोषित किया जाएगा। जिन विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स 2019 या एनईईटी 2019 में शीर्ष 10000 तक की रैंक हासिल की है, वे साक्षात्कार के लिए योग्य हो सकते हैं, जो कि उनके रैंक एवं अन्य स्क्रीनिंग मानदंडों पर निर्भर करेगा। यूपीएसटी में प्राप्त अंकों को अगले एवं अंतिम चयन के स्तर अर्थात साक्षात्कार के लिए अग्रेसित नहीं किया जाएगा। यूपीएसटी एवं एनईईटी / जेईई मेन्स रैंक वालों के लिए अलग-अलग सूची होगी। आईएसीएस के पास दोनों प्रारूपों में से प्रत्येक में साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किए जानेवाले उम्मीदवारों की संख्या का निर्णय करने का अधिकार होगा। चौथे वर्ष में प्रवेश करने वाले प्रवेशित विद्यार्थीगण संस्थान के मानदंडों के अनुसार मासिक वजीफा पाने के पात्र हो सकते हैं। ईडब्ल्यूएस सहित आरक्षित श्रेणियों के तहत प्रवेश नियम के अनुसार होगा।

मास्टर्स/इंटिग्रेटेड मास्टर्स - पीएच.डी प्रोग्राम इन साइंस- 2019 में प्रवेश

केमिकल साइंसेज, फिजिकल साइंसेज, मैटेरियल्स साइंसेज, मैथेमैटिकल एंड कम्प्यूटेशनल साइंसेज, अप्लाइड एंड इंटरडिसिप्लिनरी साइंसेज के स्कूलों में मास्टर्स/इंटिग्रेटेड मास्टर्स-पीएच.डी प्रोग्राम, जिसके लिए सत्र के 22 जुलाई, 2019 से प्रारम्भ होने की संभावना है, में प्रवेश के लिए उच्च प्रेरित भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। जिन उम्मीदवारों ने 10वीं एवं 10+2 दोनों स्तरों में न्यूनतम प्रथम श्रेणी तथा स्नातक डिग्री प्रथम श्रेणी (60% अंक अथवा समकक्ष) के साथ विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री हासिल किया हो, वे आवेदन करने के लिए योग्य हैं (आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 10वीं, 10 + 2 स्तर एवं स्नातक डिग्री में 55% अंक या समकक्ष है)। जो उम्मीदवार स्नातक डिग्री की अंतिम परीक्षा में शामिल हुए हैं वे भी आवेदन कर सकते हैं, लेकिन उनका अंतिम चयन योग्यता परीक्षा में आवश्यक अंकों के प्रतिशत को हासिल करने के अधीन होगा। जिन उम्मीदवारों की इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि हैं और स्कूल ऑफ मैथेमेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल साइंसेज में प्रवेश चाहते हैं, के पास मैथमैटिकल, कम्प्यूटर एवं कंप्यूटेशनल मेथड में पर्याप्त प्रशिक्षण होना चाहिए। योग्य आवेदकों को मास्टर प्री-इंटरव्यू स्क्रीनिंग टेस्ट (एमपीएसटी) में शामिल होना होगा। एमपीएसटी-2019 पूरी तरह से कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली में 28 जून, 2019 को पूरे भारत में विभिन्न शहरों में पसंद के स्कूल के आधार पर बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थीगण यूजीसी से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर पर अध्ययन के अपने विषय के आधार पर एमपीएसटी का विकल्प चुन सकते

हैं। प्रश्न निम्न विषयों पर होंगे: केमिस्ट्री, फिजिक्स, बायोलॉजिकल साइंस, मैथेमैटिक्स, कंप्यूटर साइंस / अप्लिकेशंस। लिखित परीक्षा के आधार पर चुने गए उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा, जिसमें से प्रत्येक स्कूल में प्रवेश के लिए अधिकतम तीस (30) उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। हालांकि, प्रवेश के लिए चयनित विद्यार्थियों की अंतिम संख्या प्रत्येक स्कूल द्वारा तय की जाएगी। प्रवेशित विद्यार्थीगण यदि निर्धारित सीजीपीए एवं अन्य मानदंडों को पूरा करते हैं, तो फर्स्ट एंड-सेमेस्टर परीक्षा से दो वर्षों के लिए 12,000 / - रुपये प्रतिमाह का वजीफा प्राप्त करने के पात्र हो सकते हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, संस्थान द्वारा निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले विद्यार्थियों को इंटिग्रेटेड मास्टर्स - पीएच.डी विद्यार्थी के रूप में पीएच.डी. प्रोग्राम में प्रवेश देने पर विचार किया जाएगा, जिन्हें प्रचलित मानदंडों के अनुसार जूनियर रिसर्च फैलोशिप प्रदान की जाएगी, बशर्ते वे राष्ट्रीय पात्रता के मानदंडों को पूरा करते हों। ईडब्ल्यूएस सहित आरक्षित श्रेणियों के तहत प्रवेश नियम के अनुसार होगा।

2019 के ऑटम सेमेस्टर में पीएच.डी. में प्रवेश

आईएसीएस के विभिन्न स्कूलों के तहत वर्ष 2019 के ऑटम सेमेस्टर में नियमित पीएच.डी. प्रोग्राम (स्प्रिंग सत्र के लिए घोषणा आईएसीएस की वेबसाइट पर सितम्बर-अक्टूबर, 2019 के आस-पास होगी) में प्रवेश के लिए वेबसाइट www.iacs.res.in में उपलब्ध निर्धारित प्रारूप में स्नातकोत्तर में 55% अथवा समकक्ष (आरक्षित श्रेणी के लिए 50%) प्राप्त करनेवाले एवं यूजीसी-नेट / सीएसआईआर-नेट / गेट / जेईएसटी / समकक्ष राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में उत्तीर्ण तथा अनुसंधान में गहरी रुचि रखनेवावे अत्यंत प्रेरित भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उक्त कार्यक्रम के लिए शैक्षणिक सत्र 22 जुलाई, 2019 से शुरू होने की संभावना है। यह चयन उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड, यूजीसी-नेट / यूजीसी - सीएसआईआर-नेट / गेट / जेस्ट/ समकक्ष राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा तथा अंत में, लिखित परीक्षा एवं / या साक्षात्कार में उनका प्रदर्शन (जैसा कि संबंधित स्कूलों द्वारा तय किया गया है) के आधार पर होगा। प्राप्त आवेदनों की प्रारंभिक जांच के बाद सिर्फ चुने गए उम्मीदवारों को ईमेल के माध्यम से सूचित किया जाएगा एवं लिखित परीक्षा एवं / या साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। आईएसीएस के पास उम्मीदवार के चयन का पूर्ण अधिकार होता है एवं यहां तक कि उपयुक्त आवेदन प्राप्त / प्राप्त नहीं होने पर किसी भी प्रकार का चयन नहीं करने का भी अधिकार होता है।

इंटीग्रेटेड बैचलर्स - मास्टर्स एवं मास्टर्स / इंटीग्रेटेड मास्टर्स-पीएचडी प्रोग्राम के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा। यह ऑनलाइन आवेदन पोर्टल 20 अप्रैल, 2019 के आसपास चालू होगा। इसके लिए गैर-वापसी योग्य आवेदन शुल्क 1200 रुपये (केवल अजा / अजजा एवं पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए 600 रुपये) है।

आवेदनों, आवेदन पत्र, शुल्क संरचना, पाठ्यक्रम एवं अन्य प्रासंगिक विवरणों के खुलने / बंद होने की तिथि के बारे में जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http://www.iacs.res.in देखें।